

कृष्ण कन्हैया आज तुम्हारे हाथ में राखी बांधूंगी



कृष्ण कन्हैया आज तुम्हारे,
हाथ में राखी बांधूंगी,
प्रेम भाव के सिवा कन्हैया,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी।

[देखे – कच्चे धागों का बंधन।](#)

इस राखी के तार तार में,
प्यार छुपा है बहना का,
सौगंध है मेरी तुम्हें कन्हैया,
कहना मानो बहना का,
मुझको अपनी बहन बनालो,
भैया तुमको मानूंगी,
प्रेम भाव के सिवा कन्हैया,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी।

बहन द्रोपदी जैसा कन्हैया,
अपना प्यार मुझे देना,
आशा लेकर आई कन्हैया,
मुझको सदा निभा लेना,
आज से तुमको सदा कन्हैया,
रक्षक अपना मानूंगी,
प्रेम भाव के सिवा कन्हैया,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी।

हाथ बढ़ाओ आगे कन्हैया,
इस राखी को बाँधवा लो,
आशीर्वाद मुझे दे करके,
मुझको कान्हा अपना लो,
बहन सुभद्रा जैसी बनकर,
तुमसे प्रीत निभाऊंगी,
प्रेम भाव के सिवा कन्हैया,
तुमसे कुछ नहीं मांगूंगी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मधुर मिलन की इस बेला में,
ये राखी स्वीकार करो,
आशा लेकर बहन खड़ी है,
सिर पे दया का हाथ धरो,
बिन बँधवाए राखी कन्हैया,
आज नहीं जाने दूंगी,
प्रेम भाव के सिवा कन्हैया,
तुमसे कुछ नहीं मांगूगी,
तुमसे कुछ नहीं मांगूगी।bd।

कृष्ण कन्हैया आज तुम्हारे,
हाथ में राखी बांधूंगी,
प्रेम भाव के सिवा कन्हैया,
तुमसे कुछ नहीं मांगूगी,
तुमसे कुछ नहीं मांगूगी।bd।

Singer – Upasana Mehta